परमेश्वर का प्रेममय अनुग्रह

प्रार्थना: "स्वर्ग में हमारे पिता, कृपया इस अध्ययन का उपयोग, बालकों को आपका प्रेममय अनुग्रह जानने तथा उसकी प्रशंसा करने में सहायता के लिये करें।"

उन कार्यों का चुनाव करें, जो आपके बालकों की पृष्ठभूमि तथा स्थानीय रिवाज़ों के लिये उपयुक्त हों।

1. अपव्ययी पुत्र की कहानी, लूका 15:11-32, पढ़ें या स्मरणशक्ति द्वारा बतायें।

अगर सम्भव हो, तो एक बड़े बालक को अन्य बालकों को कहानी सुनाने के लिये तैयार करें।

कहानी सुनाने से पहले यह समझायें, कि उसका उद्देश्य यह दिखाना है, कि कैसे एक युवा मनुष्य चकित होता है, जब उसका पिता उसे क्षमा कर देता है। पुत्र ने अपने पिता के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया था।

कहानी सुनाने के बाद, ये प्रश्न पूछे:

- पुत्र ने अपने पिता से उसको क्या देने के लिये कहा था?
- पुत्र ने अपनी वसीयत के साथ क्या किया?
- पुत्र के साथ क्या हुआ, जब उसकी वसीयत का सारा धन अपव्यय होकर चला गया?
- पुत्र अपने पिता से क्या कहना चाहता था
- पिता ने पुत्र के साथ कैसा व्यवहार किया? बड़े पुत्र ने अपने छोटे भाई के बारे में कैसा महसूस किया?

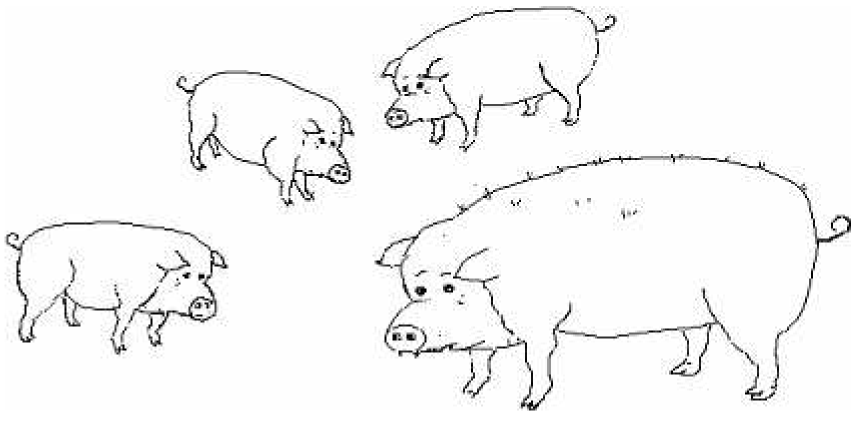

- पिता ने बड़े भाई को क्या समझाया?
- उन सूअरों के चित्र बनायें जिनको अपव्ययी पुत्र भोजन कराता था?
- बड़े बालकों को चित्र बनाने में छोटों की सहायता करने दें।

- व्यस्कों को समझायें की सूअर यह दर्शाते हैं, कि कैसे परमेश्वर का अनुग्रह हम तक पहुँचता है; चाहे हम परमेश्वर से कितनी ही दूर क्यों ना भाग आये हैं। जब हम अपने पापों को छोड़ देते हैं तथा उसकी तरफ लौटकर उससे क्षमा माँगते हैं तो वो हमें क्षमा करता है चाहे हमने कितने ही बुरे पाप क्यों ना किये हो।

2. व्यस्कों के लिये “अपव्ययी पुत्र” का पूर्वाभ्यास तथा नाटकीकरण करें।

- आराधना के अगुवों के साथ बालकों का व्यस्कों के लिये नाटक प्रस्तुत करने का प्रबन्ध करें।
- जब वर्णनकर्ता कहानी का एक भाग पढ़ता है, तो अभिनेता बाईबल की कहानी के उस भाग के व्यक्ति का अभिनय करते हैं तथा वाक्य बोलते हैं।
- बालकों को नाटक के बाद व्यस्कों से पूछने के लिये इस कहानी के बारे में प्रश्न तैयार करने दें।
- अभ्यास करें, जब तक सब को पता नहीं चल जाता, कि क्या करना और कहना है।

वर्णनकर्ताः कहानी के उन भागों को पढ़ता है, जो अन्य अभिनेताओं द्वारा नहीं बोले जाते। उनको अभिनय करने तथा उनके भागों के कहने के लिये रूकता है।

अपव्ययी पुत्रः छोटे पुत्र के वाक्यों को कहता है। संकेत तथा शब्द जोड़ें जो स्पष्ट करें, कि क्या हुआ था।

पिताः पिता के वाक्य बोलता है तथा उसका अभिनय करता है।

बड़ा पुत्रः बड़े पुत्र के वाक्य बोलता है तथा उसका अभिनय करता है।

सेवकः सेवक के वाक्य बोलता है तथा उसका अभिनय करता है, जिसमें पला हुआ बछड़ा पकड़ने व मरने का अभिनय शमिल हो।

बछड़ाः अगर आप थोड़ा सा मनोरंजन चाहते हैं तो दो लड़को को बछड़े के भाग का अभिनय करायें। वो झुकते हैं तथा उनकी पीठ पर एक कम्बल डाला जाता है।

बड़ा पुत्रः बड़े पुत्र के वाक्य बोलता है तथा उसका अभिनय करता है।

बुरे मित्रः अगर काफी बालक हों, तो उनमें से कुछ को बुरे मित्रों को अभिनय करने दें जो कि दूर देश में छोटे पुत्र को उसके धन के अपव्यय करने में सहायता करते हैं।

3. **कविता (भजन संहिता 103, पद 2,3,4 और)।**

- दो बालकों को दो भाग कहने दें।
- वे इस कविता को व्यस्कों के लिये कह सकते हैं।

भाग 1

हे मेरे मन, यहोवा को धन्य कह,
    और उसके किसी उपकार को ना भूलना।
वही तो तेरे सब अधर्म को क्षमा करता,
    और तेरे सब रोगों को चंगा करता है।

भाग 2

वही तो तेरे प्राणों को नाश होने से बचा लेता है,
    और तेरे सिर पर करूणा और दया का मुकुट बाँधता है
जैसे पिता अपने बालकों पर दया करता है,
    वैसे ही यहोवा अपने डरवैयों पर दया करता है।

4. **स्मरणीय पदः इफिसियों 2:8-9**

5. **प्रार्थना**

"प्रभु, हमारे जीवन पापों से भरे हुए हैं, तथा आपके बिना, हम खो जा सकते थे।
हमारे द्वारा किए गए बुरे कामों को क्षमा करने के लिये आपका धन्यवाद।
जब हम आपकी ओर मुड़े, हमारा फिर से स्वागत करने के लिये धन्यवाद।
हम खुशियाँ मनाते हैं कि आप प्रसन्न हैं जब हम आपके पास वापस आते हैं।
जब भटके हुए लोग आपके पास आते हैं तब भी खुशियाँ मनाने में हमारी सहायता करें।
हम यह यीशु के कीमती नाम में माँगते हैं। आमीन"